कक्षा-2 के लिए अपठित गद्यांश

मैं क्या करूँ?

दिल्ली की एक सुबह थी। सूरज की किरणें धीरे-धीरे आसमान में फैल रही थीं, और चिड़ियों की चहचहाहट से पूरा माहौल खुशनुमा हो गया था। परंतु, राधिका के दिल में एक अजीब सी बेचैनी थी। वह पार्क में बैठी सोच रही थी, "मैं क्या करूँ?"

राधिका ने हाल ही में अपने छोटे से गाँव से दिल्ली आकर काम करना शुरू किया था। उसकी यह नई जिंदगी बिल्कुल अलग थी। गाँव के शांत वातावरण की तुलना में यहाँ का भाग-दौड़ भरा जीवन उसके लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था। उसे नौकरी मिली थी, लेकिन क्या वह उस नौकरी को करने में सफल हो पाएगी? वह अक्सर खुद से यही सवाल करती थी।उसके विचारों में डूबी, अचानक उसे याद आया कि उसकी सहेली, सिया, ने उसे एक बार कहा था, "हर कठिनाई के साथ एक अवसर भी आता है।"

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्र०1. दिल्ली की सुबह कैसी थी ?

उत्तर _____

_____

प्र०2. राधिका पार्क में बैठी क्या सोच रही थी?

उत्तर _____

_____

प्र०3. राधिका हाल ही में अपने छोटे से गाँव से कहाँ आई थी?

उत्तर _____

_____

प्र०4**. वाक्य बनाओ**

1. सूरज - ----------

---

2. दिल्ली ----------